Roll No. ..... Total Pages: 04

1610

B.A. /B.Ed. (FIRST YEAR) EXAMINATION, 2018

SANSKRIT LITERATURE

Paper-II

(भारतीय संस्कृति के तत्व, पद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण)

Time: Three Hours

Maximum Marks: 60

निर्देश :

(1) इकाईवार निर्देशानुसार प्रश्न–पत्र हल कीजिये।

(2) प्रत्येक इकाई में निबन्धात्मक, लघुत्तरात्मक प्रश्नों को विकल्पानुसार हल करें।

(3) इकाईवार प्रश्नों के अंको को विभाजित किया गया है।

(4) अंक विभाजन प्रश्नों के समक्ष अंकित है।

इकाई – I

''भारतीय संस्कृति के तत्व''

प्र.1 निम्न में किसी एक प्रश्न का निबन्धात्मक उत्तर दीजिये – **(4)**

(अ) भारतीय संस्कृति की विशेषतायें लिखिये।

(ब) भारतीय संस्कृति में आश्रम व्यवस्था की अवधारणा को स्पष्ट कीजिये।

प्र.2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये – **(2+2+2=6)**

(अ) भारतीय संस्कृति में कितने संस्कार बताये गये हैं, नामोल्लेख कीजिये।

(ब) प्राचीन भारतीय शिक्षा की विशेषतायें लिखिये।

(स) भारतीय संस्कृति में सामाजिक सम्बन्धों की उदात्त भावना निहित है। स्पष्ट कीजिये।

(द) वर्ण व्यवस्था का आधार ''जन्म या कर्म'' है। स्पष्ट कीजिये।

इकाई – II

''किरातार्जुनीयम''

प्र.3 किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये – **(4)**

(अ) भवादृशेषु प्रमदाजनोचितं

भवत्यधिक्षेप इवानुशासनम्।

तथापि वक्तुं व्यवसाययन्ति मां

निरस्तनारी समया दुराधया।।

(ब) असक्तमाराधयतो यथायथं

विभज्य भक्त्या समपक्षपातया।

गुणानुरागादिव सख्यमीयिवान्

न बाधतेस्म त्रिगणः परस्परम्।।

प्र.4 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये – (2+2+2=6)

(अ) ''भारवेरर्थगौरवम्'' कथन के विषय में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

(ब) वनेचर के समाचार से व्यग्र द्रौपदी की प्रतिक्रिया क्या थी?

(स) ''वरं विरोधोडपि समं महात्मभिः ''सूक्ति की पूर्ति कीजिये।

(द) वनेचर ने दुर्योधन की अर्थ सम्पत्ति का वर्णन युधिष्ठिर से किस रूप में किया?

इकाई – III

प्र.5 निम्न गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिये – (5)

वर्तमान काले जनाः प्रायः स्वस्वकर्तव्य विमुखाः सन्तः सर्वत्र संसारे अशान्तिमिव उद्भावयन्ति। प्रतिदेशं प्रतिदिनं अधिकाधिकं प्रसार्यमाणा सुशिक्षापि कुशिक्षेव परिणमति। सेयं सर्वाऽपि दुखस्था अस्याः सुरभारत्याः शिक्षणप्रचारेणैव समपनेतुं शक्यते। इत्यं संस्कृतभाषायाः भारतीयजीवने विश्वजीवने च यदेतन्महत्वपूर्णं स्थानं विघते तन्न केवलं भारतीयाः एव अपितु विदेशीयाः अपि विद्वांसः वर्णयन्ति।

इकाई – IV

''व्याकरणम्''

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये – (7½+7½=15)

(अ) संस्कृत वर्णों के उच्चारण स्थान बताइये।

(ब) अच् और हल् सन्धि की परिभाषा लिखिये। अच् और हल प्रत्याहारों के अन्तर्गत आने वाले अक्षरों का भी उल्लेख कीजिये।

(स) अत्रैकः प्रेजते शरच्चन्द्रः शब्दों का सन्धि विच्छेद करते हुए सम्बंधित सूत्र की व्याख्या कीजिये।

प्र.7 किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये – (2×5 = 10)

(अ) पद संज्ञा निर्धारक सूत्र को बताइये।

(ब) ''अकः सवर्णे दीर्घः'' की सोदाहरण व्याख्या कीजिये।

(स) 'स्तोः श्चुना श्चुः' सूत्र की व्याख्या करते हुए उदाहरण दीजिये।

(द) ''चिन्मयम्'' का सन्धि विच्छेद कीजिये।

(य) यण् सन्धि विधायक सूत्र का उल्लेख कीजिये।

(र) ''विसर्जनीयस्य सः'' सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

इकाई – V

प्र.8 किसी एक सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिये – (4)

(अ) ''लटः शतृशानचावप्रथमा समानाधिकरणे''

(ब) ''समानकर्तृकयोः पूर्वकाले''

प्र.9 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये – (2+2+2=6)

(अ) क्त्वा और ल्यप् प्रत्यय में अन्तर बताइये।

(ब) 'गम्' धातु में तुमुन् प्रत्यय लगाकर वाक्य रचना कीजिये।

(स) 'पोरदुपधात्' सूत्र को स्पष्ट कीजिये।

(द) क्त प्रत्ययान्त शब्द किस काल से सम्बन्धित होते हैं। क्त प्रत्यय युक्त दो शब्दों की रचना करो।